SRU WORLD
(A Monthly News Letter)

Vol : 03 February 2023 Page : 08

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने किया युवा संवाद साथ ही एसआरयू मोबाइल ऐप का शुभारंभ एवं यूनिवर्सिटी की पत्रिका एस आर यू वर्ल्ड का किया अनावरण...

विश्वविद्यालय में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और खेल एवं युवा कैबिनेट मंत्री श्री अनुराग ठाकुर भारत सरकार द्वारा 25 फरवरी 2023 को युवा संवाद के लिए पहुंचे, जहां उन्होंने युवाओं से संवाद किया। इसी कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए बहुउपयोगी एस आर यू मोबाइल ऐप का शुभारंभ भी किया। उल्लेखनीय है कि इस मोबाइल एप के उपयोग से विद्यार्थी के एडमिशन से लेकर टीसी और डिग्री के विश्वविद्यालय संबंधित सारे कार्य मोबाइल से ही हो सकेंगे। विद्यार्थी अब फीस भी इसी मोबाइल ऐप से जमा कर फीस पटाने की लाइन में लगने वाले समय का सदुपयोग पढ़ने में कर सकेगा। इस ऐप क्लास में टाइम टेबल से लेकर सिलेबस की स्थिति को लगातार अपडेट किया जायेगा। साथ ही विशेष यह भी है कि पढ़ाए गए लेक्चर को विद्यार्थी स्वयं ग्रेडिंग भी देगा जो कि पूरी तरह गोपनीय होने से विद्यार्थी एक स्टार से पांच स्टार की ग्रेडिंग हर क्लास को दे सकेगा।परीक्षा का टाइम टेबल और रिजल्ट अब मोबाइल पर होने से यह अब सुविधा जनक भी हो गया है।विद्यार्थी और शिक्षक दोनो ही इस मोबाइल ऐप को उपयोग कर उन्नत शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

सारांश में इसे ऐसा समझा जा सकता है कि अब यूनिवर्सिटी के किसी भी प्रकार के कार्यालयीन कार्य हेतु कहीं नहीं जाना है , सबका समाधान मोबाइल ऐप में ही है।साथ ही विश्वविद्यालय पत्रिका "एसआरयू

वर्ल्ड" का भी विमोचन किया गया।

इंडिया@2047 पर युवाओं से संवाद कर मंत्री जी ने उनको उनका समाधान भी दिया। कार्यक्रम में सांसद श्री सुनील सोनी,विधानसभा सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल , पदमश्री फूलबासन देवी पद्मश्री अजय मांडवी भी शामिल हुए।

मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंच से यूनिवर्सिटी की प्रशंसा की और एस आर यू मोबाईल ऐप से विद्यार्थियों को होने वाली बारह सुविधाओं को उल्लेखित भी किया।अनुराग ठाकुर जी ने विश्वविद्यालय की तारीफ करते हुए कहा की इस विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट की सुविधा है ये जान कर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने युवाओं के सवालों के जवाब दिए जिसमें कई युवाओं से अपनी अपनी जिज्ञासाएँ व्यक्त की और अपने सवालों से देश के विकास से संबंधित कई जवाब प्राप्त किए। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के उपयोगी मोबाइल एप की भी सरहाना की उन्होंने कहा की इससे छात्रों को काफी सुविधा होगी। अनुराग ठाकुर जी ने सभी छात्रों से मिले उन्हें प्रोत्साहित किया साथ ही उनके साथ सेल्फी भी ली।

इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राज्य स्तरीय कलाकारों से शानदार अपनी प्रस्तुति दी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डमरे भी उपस्थित हुई। नेहरू युवा संगठन के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. एस.के. पाण्डेय एवं विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति डॉ. एस. के. सिंह एवं कुलसचिव डॉ. सी रमेश कुमार उपस्थित रहें।लगभग दो घंटे के इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन द्वारा किया गया साथ ही यूनिवर्सिटी द्वारा भी यू ट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारण किया गया।

फरवरी माह में 28 विद्यार्थी प्लेसमेंट में हुए चयनित...

विश्वविद्यालय में फरवरी माह में 28 से अधिक विद्यार्थी प्लेसमेंट में चयनित हुए है। विश्वविद्यालय प्लेसमेंट प्रकिया में कैगेमिनी द्वारा बी टेक सिविल से अमन पातालवार, केवी क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बीबीए से नलिनी सोलंकी, "फिरदौस नाज, दीक्षा यादव, दिव्या प्रकाशन, फ्रीडम एप द्वारा बीबीए से संजना साहू, फिरदौस नाज, दीक्षा यादव, दिव्य प्रकाशन, शेकडील (ओपकॉमर्स ऑनलाइन प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा एमबीए से काश शुक्ला, एमएमआई अस्पताल द्वारा एमबीए से पंकज चक्रधारी, काइज़न टोयोटा द्वारा डिप्लोमा इंजीनियरिंग से नवीन कुमार पटेल,श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड द्वारा डिप्लोमा इंजिनयरिंग से नवीन कुमार पटेल,रामकृष्ण केयर अस्पताल द्वारा एमबीए से शिवम गुप्ता, ट्रिनिटी सॉल्यूशंस द्वारा एमसीए से अदिति पाठक,बजरंग डील मार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बी टेक से तेजप्रकाश पंडिता, 2050 हेल्थ केयर द्वारा एमबीए से उपासना कश्यप एवं तिरुपति स्टील एंटरप्राइजेज द्वारा एमबीए से भाविका जंघेल, एसजीएस तकनीकी सेवाएं द्वारा एमबीए से धृष्टि रॉय, प्रिज्म मेडिकल एंड फार्मेसी प्रा. लिमिटेड द्वारा बीफार्मा से ललित कुमार साहू, एसएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट और आईवीएफ रिसर्च सेंटर द्वारा बी फार्मा एवं डी फार्मा से अविनाश कश्यप, मोजेश डेविड का चयन हुआ।

श्री रावतपुरा सरकार युनिवर्सिटी के मोबाईल ऐप से मिलने वाली सुविधाएं :

1. ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा, कतार की बाध्यता अब समाप्त ।
2. क्लास से संबधित समय सारणी की जानकारी ।
3. मोबाईल ऐप में Assignment, Syllabus की जानकारी उपलब्ध ।
4. विद्यार्थी की क्लास में दर्ज उपस्थिति की जानकरी ।
5. छुट्टी के लिये आवेदन ।
6. लाइब्रेरी की सभी पुस्तकों की संपूर्ण जानकारी ।
7. परीक्षा से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध ।
8. परीक्षा परिणाम सदैव उपलब्ध ।
9. TC, MIGRATION & DEGREE के लिये ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ।
10. विश्वविद्यालय से जुड़ी सभी सूचनाएं उपलब्ध ।
11. शिक्षक की Feedback की सुविधा ।
12. पालक भी अपने बच्चों की जानकारी इस मोबाईल ऐप से देख सकते है ।

Shri Anurag Thakur
Hon'ble Union Cabinet Minister of Information & Broadcasting and youth Affairs & Sports

शिक्षा विभाग में आयोजित किया गया स्वागत एवं विदाई समारोह...

यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग में 7 फरवरी को स्वागत एवं विदाई समारोह (आगाज़ -ए-अंजाम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित बीएड, डीएलएड व स्पेशल बीएड के छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया, वही अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं को विदाई दी गई। कार्यक्रम में मार्गदर्शक के रूप में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम, कुलपति एस. के. सिंह, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई, तत्पश्चात कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति, हर्ष गौतम ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने शिक्षा विभाग के सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि ये एक महत्वपूर्ण सफलता है, जब नए छात्र शिक्षा प्राप्त करने हमारी संस्था में आएंगे एवं पढ़ रहे छात्र बाहर जा कर संस्था का नाम रोशन करेंगे।

कुलपति, एस. के. सिंह ने कार्यक्रम में परमपूज्य महाराज श्री को नमन किया एवं सभी नवप्रवेशित छात्रों का स्वागत किया साथ ही पास आउट छात्रों को बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। उन्होंने कहा कि हम विश्वाश दिलाते है की आने वाले वर्षों में छात्रों को पूरी तरह से शिक्षक पूर्ण बनाने में विश्वविद्यालय अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेगा। साथ ही उन्होंने आज के कार्यक्रम "आगाज़-ए-अंजाम" के लिए छात्रों को मार्गदर्शित किया और संदेश दिया की आप जीवन में जो भी कार्य की शुरुवात करते है उसे अंजाम तक ले कर जाइए।

कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने भी इस अवसर पर सभी छात्रों का स्वागत किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी, साथ ही साथ भविष्य के लिए मार्गदर्शित किया, एवं शिक्षा विभाग के प्राचार्य, डॉ. संजीत कुमार साहू ने शिक्षा विभाग के छात्र छात्राओं के बारे में विस्तार से बताया की पूर्व में निकल चुके छात्र एवं छात्राए आज विभिन्न सरकारी पदों पर पदस्थ है।

कार्यक्रम में वार्षिक सांस्कृतिक गतिविधियों में बने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया एवं छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया गया, इसके साथ ही छात्र-छात्राओं ने संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी जिसमें नये से नये गानों में छात्र-छात्राओं ने जम कर मज़े किये।

स्पोर्ट्स अधिकारी अरशद हुसैन "छ.ग. की वर्तमान खेल अवसंरचना" में हुए सदस्य के तौर पर नामित...

विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स अधिकारी अरशद हुसैन को राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ द्वारा गठित कमेटी "छ.ग. की वर्तमान खेल अवसंरचना" के एथलेटिक्स स्पोर्ट्स सदस्य के तौर पर नामित किया गया। स्पोर्ट्स अधिकारी अरशद हुसैन काफी समय से स्पोर्ट्स से जुड़े हुए है एवं छात्रों को प्रशिक्षित कर रहे है उन्होंने स्पोर्ट्स के क्षेत्र में राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी कड़ी मेहनत से विश्वविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

वर्तमान में अरशद हुसैन श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कोच के रूप में छात्रों को मार्गदर्शित कर रहें है। उनकी इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय प्रति कुलाधिपति हर्ष गौतम एवं कुलपति डॉ.एस.के.सिंह ने हार्दिक बधाई दी।

विश्वविद्यालय में हुआ दो दिवसीय नेशनल सेमिनार,राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन के महानिदेशक डॉ. ए.पी.सिंह ने किया छात्रों का मार्गदर्शन...

विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय नेशनल सेमिनार "ट्रांजेक्शन ऑफ़ लाइब्रेरी फ्रॉम ट्रेडिशनल टू हाइब्रिड मोड: कनेक्टिंग,कम्युनिकेटिंग एंड को ऑपरेटिंग " का आयोजन 10 और 11 फ़रवरी को प्रातः 10:30 बजे से विश्विद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। जिसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित, राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन, कलकत्ता द्वारा प्रायोजित किया गया। नेशनल सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजा राममोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन एवं नेशनल लाइब्रेरी के महानिदेशक डॉ. अजय प्रताप सिंह द्वारा माँ सरस्वती की पूजा और राज्य गीत के साथ किया गया एवं प्रमुख वक्ता के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं बनारस हिन्दू विश्विद्यालय के ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एच. एन. प्रसाद,ग्वालियर के विभागाध्यक्ष प्रो.जगदीश नारायण गौतम, कृषि महाविद्यालय रायपुर के ग्रंथपाल डॉ. माधव पांडेय, रविशंकर विश्विद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. सुपर्ण सेनगुप्ता, गुरु घांसीदास विश्विद्यालय बिलासपुर के ग्रंथपाल प्रो. बृजेश तिवारी, पूर्व ग्रंथपाल प्रो.यू.एन.सिंह, एवं राष्ट्रीय प्रोधोगिकी संस्थान रायपुर के ग्रंथपाल डॉ. सुनील कुमार सत्पथी, साइंस कॉलेज रायपुर से डॉ. प्रवीण शर्मा उपस्थित हुए,साथ ही श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम, कुलपति एस. के. सिंह, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहें। सेमिनार को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम ने परमपूज्य श्री रविशंकर महाराज जी को नमन किया एवं उपस्थित सभी सम्मानीय अतिथियों का स्वागत किया, साथ ही उन्होंने अपने जीवन में लाइब्रेरी का महत्व बताते हुए अनुभव साझा किया और लाइब्रेरी और किताबो की महत्वता को बताया, उन्होंने कहा कि हर एक व्यक्ति के जीवन में पुस्तकालय का बड़ा ही महत्व होता है l उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है, कुछ इनोवेटिव करने के लिए हमारा यह विश्वविद्यालय निरंतर कार्य कर रहा हैl कुलपति एस. के. सिंह ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का शानदार स्वागत किया। उन्होंने बताया की 2018 में यह विश्वविद्यालय परमपूज्य महाराज जी ने युवाओं के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण परिकल्पना के साथ स्थापित किया था जिसमें उनका उद्देश्य था की छात्र न केवल ज्ञान प्राप्त करें बल्कि एक ऐसी छवि निर्माण करें जो उन्हें उच्च नैतिकता और नैतिक मूल्यों के साथ वैश्विक स्तर पर पहुंचे। उन्होंने कहा की वसुधैव कुटुम्बकम् की विचारधारा के साथ विश्वविद्यालय छात्रों के विकास के लिए अग्रसर है साथ ही उन्होंने नेशनल सेमिनार के उद्देश्यों को बताते हुए लाइब्रेरी की महत्वता बताई। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रोफ़ेसर ए. पी. सिंह ने अपने वक्तव्य में पुस्तकालय के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट करते हुए विभिन्न स्थानों के अपने अनुभवों को साझा किया साथ ही छात्रों में पुस्तकों के प्रति रुचि पर चिंता व्यक्त करते हुए स्कूली जीवन मैं ही लाइब्रेरी साइंस को विषय के रूप में जोड़ने की बात कही उन्होंने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि इस बार के बजट में सरकार ने विलेज लाइब्रेरी को स्वीकृत किया हैl 457 विलेज लाइब्रेरी बनाना है जिसमें से 101बन गया हैl उन्होंने ई-बुक कंसोटिया लांच करने की बात भी उन्होंने अपने वक्तव्य में व्यक्त किया l तत्पश्चात विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी साइंस विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. गिरजा शंकर पटेल ने सेमिनार के विषय में विस्तार से जानकारी दी, अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और सभी आगंतुओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि नेशनल सेमिनार में छत्तीसगढ़ के अलावा विभिन्न प्रदेशो जिसमें राजस्थान, बिहार,मध्य प्रदेश, झारखंड ,उत्तरप्रदेश ,कर्नाटक से 154 प्रतिभागियो ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें लाइब्रेरी प्रोफेशनल ,शोधार्थी,लाइब्रेरी साइंस विद्यार्थी भी शामिल हुए, इस दौरान प्रोसीडिंग वॉल्यूम (अ कलेक्शन ऑफ़ सेमिनार पेपर्स) पार्ट-1 का विमोचन किया गया। सेमिनार में पहले दिन तीन तकनीकी सत्र हुए एवं दूसरे दिन भी तीन सत्र हुए। सभी सत्रों में उपस्थित वक्ताओं ने "परंपरागत से आधुनिक पुस्तकालयाध्यक्षता में संक्रमण" पर अपनी अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की। उन्होंने ज्ञान प्रतिमानों, विशेषताओं, कार्यों और सेवाओं के संदर्भ में पारंपरिक और आधुनिक पुस्तकालयों के तुलनात्मक विश्लेषण पर चर्चा की। उन्होंने नई सेवाओं के साथ आधुनिक पुस्तकालयों के नए चलन और आधुनिक पुस्तकालयों में पुस्तकालय कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताया। साथ ही कहा की अब पारंपरिक पुस्तकालय का हाइब्रिड या डिजिटल पुस्तकालय में परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने बताया कि संचार का माध्यम परिवर्तन है और लोगों को यह जानना है कि पूरे विश्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में किस प्रकार के शोध चल रहे हैं।पूरा सत्र बहुत ही संवादात्मक रहा। सभी प्रतिभागियों ने वक्ताओं और प्रस्तुतकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और अपनी शंकाओं को दूर किया। सेमिनार के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर विश्वविद्यालय के ग्रंथालय सचिन दीवान ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन ज्ञापित किया गया।

"लाइफ फ़ोर्स एनर्जी" पर एक दिवसीय कार्यशाला, मुख्य अतिथि रहें स्वर्ण पदक विजेता स्वामी महेश...

विश्वविद्यालय में 22 फरवरी को "लाइफ फ़ोर्स एनर्जी" (जीवन शक्ति ऊर्जा) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के साईं राम प्रेक्षागृह में "मेरा स्वास्थ्य मेरी जिम्मेदारी, मेरा जीवन मेरी जिम्मेदारी" के उद्देश्यों के साथ पूरा किया गया।

कार्यशाला में अतिथि और वक्ता के रूप में स्वर्ण पदक विजेता, योग गुरु और आध्यात्मिक सलाहकार स्वामी महेश एवं पॉजिटिव हेल्थ जोन के मुख्य कार्यकारी डॉ. नरेंद्र पाण्डेय उपस्थित रहे, साथ ही श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. सिंह, कुलसचिव डॉ. सी रमेश कुमार उपस्थित रहें।

कार्यशाला की शुरुवात दीप प्रज्ज्वलन और राज्य गीत के साथ की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. सिंह ने कार्यशाला को सम्बोधित किया और उन्होंने श्री रविशंकर जी महाराज को नमन करते हुए सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया और योग विभाग को कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई दी और उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के योग विभाग द्वारा आयोजित जीवन शक्ति ऊर्जा पर कार्यशाला न केवल ज्ञान प्रदान करने, बल्कि छात्रों के समग्र विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और पारंपरिक भारतीय ज्ञान को हमारे पाठ्यक्रम का अकादमिक हिस्सा बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का एक मार्ग है। इसलिए मुझे लगता है कि विश्वविद्यालय छात्रों को बहुत अच्छी तरह से पोषण करने के लिए एक बहुत अच्छे रास्ते पर है। उन्होंने योग के लिए कहा कि योग हमे आध्यात्मिक बनाता है और आपके अंदर उपस्थित नकारात्मक विचारों को खत्म करता है और आपके विचार ही आपके व्यक्तित्व का निर्माण करते है इसलिए सकरात्मक विचार रखे जो आपको हमेशा सही दिशा की ओर प्रोत्साहित करेंगे।

ततपश्चात डॉ. नरेंद्र पाण्डेय ने कार्यशाला को संचालित करते हुए योग के प्रति विस्तार से सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में नरेंद्र पांडे ने बताया कि हमारे जीवन चर्या का मानव शरीर एवं मन पर क्या प्रभाव पड़ता है साथ ही डेमोंसट्रेशन द्वारा अपत्य व प्रत्यय भोजन का मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि मन के आगे न लगाना सीखे, मन के पिछे न लगाना सीखे और मन को कंट्रोल करना सीखे, आपका मन हमेशा सही दिशा में होना चाहिए।

स्वामी महेश ने सभी को वैदिक परम्परा से जोड़ा और योग को अपने जीवन ऊर्जा का स्रोत बताया। उन्होंने चक्रों, कोशों व प्राण तत्व का वर्णन करते हुए बताया कि स्वर का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ी का प्रवाह हमारे शरीर व मन को प्रभावित करता है और हमारे चक्र पर सकारात्मक/ नकारात्मक प्रभाव पड़ने लगता है। विचार शक्ति पर संबोधित करते हुए स्वामी ने औरा स्कैनर के माध्यम से विद्यार्थियों पर डेमो किया। बताया कि शरीर माद्यं खलु धर्म साधनम्।। अर्थात् शरीर ही धर्म का, मोक्ष का सर्वप्रथम माध्यम है। इसलिए शरीर स्वस्थ होगा तो मन स्वस्थ होगा, मन से विचार, विचार से आत्मा का शुद्धिकरण होता चला जाएगा। उन्होंने बताया कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का परिष्कार योग के माध्यम से ही संभव है। संबोधन के अंत में स्वामी द्वारा ध्यान कराया गया जिसका सभी सदस्यों ने लाभ लिया।

कार्यशाला के अंत में उपस्थित अतिथियों को कुलसचिव डॉ. सी रमेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया एवं प्रति चिन्ह भेट किया गया। कार्यशाला में संचालक के रूप में योग विभाग के एच.ओ.डी केवल राम चक्रधारी और प्रोफेसर राधिका चंद्राकर उपस्थित रहीं।

" बहु - विषयक अनुसंधान के उभरते रुझान" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, मुख्य अतिथि प्रो. अविनाश चंद्रा ने कहा कि "किसी भी वास्तविक समस्या का निदान किसी एक तरीके से संभव नहीं है"....

विश्वविद्यालय में औद्योगिक व्यक्तियों, अनुसंधान विद्वानों, संकायों और विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े छात्रों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (EMRSTI 2023) में बहु-विषयक अनुसंधान के उभरते रुझानों पर 27-28 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 260 प्रतिनिधिमंडलों को पंजीकृत किया गया और उनकी संस्था का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी राज्य भर से आए थे। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के सिंह ने अतिथियों, प्रतिभागियों और छात्रों को विश्वविद्यालय का संक्षिप्त विवरण साझा करते हुए कहा कि हम 37 विभिन्न शैक्षणिक विभागों के माध्यम से आयोजित 118 कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं. छह अलग-अलग संकायों द्वारा। विश्वविद्यालय को 12बी का दर्जा प्राप्त करने का सम्मान प्राप्त है जो किसी भी निजी विश्वविद्यालय के लिए एक दुर्लभ मान्यता है। केवल 24 निजी विश्वविद्यालयों को समान दर्जा प्राप्त है, जिनमें से एस.आर.यू उनमें से एक है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय का मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए अनूठी सुविधा है और साथ ही यह प्रवेश, नामांकन आदि सहित सेवाओं की पेशकश करता है और विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी) 2020 के नए पाठ्यक्रम ढांचे का पालन करने के लिए लगभग तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के सभी राष्ट्रीय सेमिनार उद्योग को शिक्षा उन्मुख बनाने के साथ-साथ औद्योगिक क्रांति 4.0 जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर पर्दा डालने के समानांतर रास्ता लाने के लिए छात्रों, शोधार्थियों के लिए हमेशा बहुत फायदेमंद होते हैं।विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. सी. रमेशकुमार ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, प्रतिभागियों और सभी छात्रों का स्वागत किया और "विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में बहु-विषयक अनुसंधान" विषय का चयन करने के लिए विज्ञान संकाय को बधाई दी। उन्होंने संकायों और छात्रों से अनुसंधान और नए उत्पाद विकास पर बहु-विषयक दृष्टिकोण का पता लगाने के लिए भी कहा और कहा कि समग्र गतिविधियाँ मुद्दों और समस्याओं का पता लगाने और उनके आवश्यक समाधान बनाने में बहुत मददगार हैं, अलग दृष्टिकोण, व्यावहारिकता और फ्लेक्सिंग प्राप्त करने के लिए विविध दृष्टिकोण कार्यक्रम में, छात्रों के कौशल उन्नयन के लिए सहयोग के साथ-साथ स्टार्टअप और उद्यमी गतिविधियों पर खोज करने के लिए बहुत जरूरी है।इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पूर्ववर्ती मुख्य अतिथि द्वारा "विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में बहुआयामी अनुसंधान के उभरते रुझान" शीर्षक पर भी पत्रिका लॉन्च किया गया था, पत्रिका में 8 मुख्य भाषण, 150 सार प्राप्त हुए, जिनमें से 89 प्रस्तुति के लिए चुने गए मौखिक प्रस्तुति के लिए 60 सार, पोस्टर प्रस्तुति के लिए 29 सार।इसके बाद राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी वास्तविक समस्या का निदान किसी एक तरीके से संभव नहीं है क्योंकि वास्तविक समस्या का निदान प्रतिच्छेदन है. कई विषयों के जहां वे सभी मिलते हैं जहां उन्हें हल किया जाता है और इस दृष्टिकोण से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अंतःविषय बहुविषयक शिक्षा के रूप में तैयार किया गया है। एक व्यवस्था है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी देश के स्कूलों और कॉलेजों को मल्टीडिसिप्लिनरी फॉर्म में तब्दील कर दिया जाएगा.इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पांच तकनीकी सत्र हुए, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. ए.के. प्रधान, प्रोफेसर एवं बाजरा विशेषज्ञ, आईजीकेवी, रायपुर, डॉ. एम.पी. ठाकुर, डीन, आरएसवी, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र आईजीकेवी, बेमेतरा, डॉ. रजनीकांत शर्मा, वैज्ञानिक, केंद्रीय भूजल बोर्ड, रायपुर (सी.जी.) ने अपने विभिन्न अनुशासनात्मक विषयों पर महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से बताया, जहां वे प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी करते हैं। उनके साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. अविनाश पांडे अपने विषय "यूएसी: अंतःविषय अनुसंधान के लिए त्वरक आधारित राष्ट्रीय सुविधा" पर महत्वपूर्ण सामग्री और मुख्य बिंदु पहलुओं को भी साझा करते हैं। संगोष्ठी के प्रतिभागियों द्वारा मौखिक प्रस्तुतिकरण भी तकनीकी सत्र का हिस्सा था।मौखिक प्रस्तुति में एमिटी यूनिवर्सिटी के डॉ. सुशांत सिंह ने पहला, दूसरे स्थान पर एसआरयू की रिसर्च स्कॉलर निधि सज्जू और पोस्टर प्रतियोगिता में एसआरयू के छात्र दीपक तिवारी और शेरोन प्रसाद ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया।संगोष्ठी के सफल संचालन के लिए विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर श्री हर्ष गौतम ने आयोजन सचिव डॉ. सुरेंद्र के. गौतम, डॉ. ऋषि जायसवाल, डॉ. सोनल चौबे को बधाई दी. संयोजक के रूप में डॉ. अनुभूति कोशले, डॉ. आर.पी. रजवाड़े और डॉ. जितेंद्र गौतम भी उपस्थित थे और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सत्यज तिवारी ने किया।

एसआरयू में विधायक इंदु बंजारे द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में 16 महिलाओं को सम्मानित किया ...

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 16 महिलाओं को उनके विशेष क्षेत्र में समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की ओर से सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथिगण का स्वागत, आभार और अभिनन्दन करते हुए कहा कि " यहाँ हर सदी में लोग अतिथि और विशिष्ट के रूप में उपस्थित होते हैं, उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से अपने क्षेत्र में एक विशेष स्थान बनाया है। हमारे समक्ष जो छात्र एवं छात्राए बैठे है उन्हें जीवन का सबक लेना चाहिए और साथ ही साथ आज के दिन यह संकल्प ले कि आने वाले समय में अपने लिए समाज में एक विशेष स्थान बनायेंगे तो विश्वविद्यालय मे इस तरह के समाहरोह करने का जो उद्देश्य है वो तभी पूर्ण हो सकता है" इसके साथ उन्होंने कहा कि, समानता का अर्थ है कि आर्थिक, धार्मिक, शिक्षा सभी छेत्र में एक सामान अधिकार हो,महिलाओ को सबसे मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण तरीका है आर्थिक रूप से मजबूत होना, यदि महिलाये आर्थिक रूप से सक्षम हो जाये, आत्मनिर्भर हो जाये तो ये असमानता धीरे धीरे अपने आप ही ख़त्म हो जाएँगी। मुख्य अतिथि माननीय इंदु बंजारे , विधायक, पामगढ़ ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कि शुभकामनाएं दी एवं भारत कि प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले को नमन करते हुए कहा कि "दुनिया कि पहचान है नारी,दुनिया पर अहसान है नारी ,हर घर कि शान है नारी,हर रिश्ते कि सम्मान है नारी " उन्होंने सामारोह में आई सभी महिलाओ को सम्मानित किया एवं अपने राजनितिक जीवन के अनुभव को साझा करते हुए सभी को प्रोत्साहित किया। विशिष्ठ अतिथि पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बार्ले ने पंडवानी गीत गाते हुए समाज में महिलाओ के महत्त्व को

बतलाया एवं नीता डुमरे, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं विशेषज्ञ ने भी खेल से सम्बंधित अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि महिलाओ को अपने उद्बोधन से प्रेरणा दी। संबोधन के पश्चात्, डॉ. काजल सचदेव , डॉ. रूना शर्मा, अधिवक्ता गायत्री , श्रीमती सौरिन चंद्रसेन, श्रीमती गीतिका धूपड़, श्रीमती सोनम श्रीवास्तव, श्रीमती रचना सिंह, सुश्री ज्योति सुंदरानी, सुश्री जेनिफर दाश, श्रीमती प्रभा माहेश्वरी, सुश्री सुमनदीप कौर, श्रीमती शिखा वर्मा, श्रीमती शीतल चौधरी, सुश्री हर्षा साहू , सुश्री आहना जैन, श्रीमती भारती यादव को विशेष क्षेत्र में समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सी रमेशकुमार एवं समस्त स्टाफ सदस्यों को बधाई दी।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता हेतु शुभकामनाएं....

परखें अपने आत्मविश्वास को और जीतें निश्चित उपहार

Guess
Expected Score %
& Win

कक्षा 12 वीं के विद्यार्थी अपनी वार्षिक परीक्षा में स्कोर प्रतिशत का अनुमान लगायें एवं विद्यार्थी सही अनुमान के समीप होने पर मार्कशीट दिखा कर निश्चित उपयोगी उपहार जैसे लैपटॉप, टैबलेट, मोबाईल एवं अन्य (योजनानुसार) के हकदार बन सकते है ।

(*शर्तें लागू)

विद्यार्थी दिये गये QR कोड को स्कैन कर अनुमान दर्ज करें।

7222910411

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) India

www.sruraipur.ac.in Follow on : / sruraipurindia /shrirawatpurasarkar

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति-कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

सी. रमेशकुमार
कुलसचिव

संपादक
हिना परवीन

छायाचित्र
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
दिनेश कुमार सिन्हा